12.07 hrs.

Title: Need for early completion of Rani Avanti Bai Sagar Project, Madhya Pradesh - Laid.

श्री प्रह्लाद सिंह पटेल (बालाघाट): अध्यक्ष महोदय, मध्य प्रदेश एवं गुजरात के बीच जीवन रेखा माने जाने वाली नर्मदा नदी पर पश्चिमी देशों की नकल कर प्रगति के नाम पर बांधों की अनवरत श्रृंखला बनाई गई है। नर्मदा नदी की पौराणिक एवं भूगर्भीय स्थिति का पुनः अध्ययन आवश्यक हो गया है। क्योंकि नर्मदा नदी की क्षरण की गति मैदानी भागों में बहने वाली नदियों में सर्वाधिक है। ऐसी स्थिति में विलम्ब् से निर्मित होने वाली सिंचाई परियोजनायें अपने लक्ष्य को पूरा नहीं कर पायेगीं, वहीं दूसरी ओर नर्मदा से मिलने वाली नदियों को आपस में जोड़ने की कार्य योजना सरकार को तत्काल बनाना चाहिए। बांधों की मुख्य नहरों को भी आपस में जोड़ने की योजना सरकार बनाये ताकि अधिक वर्षा तथा भूकम्प की स्थिति में बांधों पर पानी के दबाव को कम करने के लिये सुरक्षा संबंधी उपाय प्राथमिकता से किये जाये।

नर्मदा क उद्गम के बाद पहले सबसे ऊंचे एवं बड़े बांध रानी अवंती बाई सागर परियोजना की दांयी तट नहर को तत्काल पूर्ण किया जाये क्योंकि दांयी तट नहर, बांध की सुरक्षा तथा नर्मदा घाटी परियोजना की सुरक्षा के लिये जरूरी है।

*** Treated as laid on the Table**